प्रथम बोडोलैंड महोत्सव

स्रोत: पी.आई.बी

हाल ही में **15 और 16 नवंबर को नई दिल्ली** में **प्रथम बोडोलैंड महोत्सव** **का आयोजन** किया गया।

- इस महोत्सव का विषय '**समृद्ध भारत के लिये शांति और सद्भाव**' था।
- **उद्देश्य:** इसके तहत **बोडो समुदाय के साथ बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (Bodoland Territorial Region- BTR)** के अन्य समुदायों की **समृद्ध संस्कृति, भाषा, शिक्षा** और **विरासत** पर प्रकाश डाला गया।
- **ऐतिहासिक महत्त्व: इसके तहत** **बोडो शांति समझौते (2020)** के बाद इस क्षेत्र की स्थिरता पर प्रकाश डाला गया।
- **बोडो समुदाय:** बोडो **असम की अधिसूचित** **अनुसूचित जनजातियों** में **सबसे बड़ा समुदाय है, जिसकी राज्य की आबादी में** लगभग 5-6% की हिस्सेदारी है।
    - **1980 के दशक के अंत** में बोडो समुदाय ने **अपने लिये अलग राज्य की** मांग को लेकर एक **जन आंदोलन** शुरू किया।
- **BTR:** बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र असम में एक **स्वायत्त क्षेत्र है** जिसमें चार ज़िले (**कोकराझार, चिरांग, बक्सा और उदलगुरी)** शामिल हैं।
    - इसको एक **निर्वाचित निकाय द्वारा प्रशासित किया जाता है जिसे बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद** के नाम से जाना जाता है।

अधिक पढ़ें: **बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (BTR)**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/1st-bodoland-mohotsov